दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

उधार पैसे के विवाद में घर में घुसकर किसान पर हमला

बीड, ६ जुलाई (प्रतिनिधि):

तालुका क्षेत्र के अंधापुरी गांव में उधार पैसों को लेकर आपसी रिश्तेदारों में विवाद इतना बढ़ गया कि हाथापाई तक पहुंच गया। इस झगड़े में एक किसान के सिर में गंभीर चोट आई है। इस मामले में नेकनूर पुलिस थाने में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपीयों के नाम महारूद्र श्रीमंत हावळे और शंकर मच्छींद्र हावळे (निवासी मुर्शदपुर घाट) हैं।

शनिवार ५ जुलाई की शाम करीब ५ बजे समाधान जगताप अपनी पत्नी रत्नमाला के साथ घर पर थे। तभी उपरोक्त दोनों रिश्तेदार उनके घर में घुस आए और उधार के पैसे क्यों मांगे? यह कहते हुए विवाद शुरू कर दिया। समाधान जगताप ने समझाने की कोशिश की, लेकिन गुस्से में शंकर हावळे ने समाधान को पकड़ लिया और महारूद्र हावळे ने डंडे से उनके सिर पर जोरदार वार किया, जिससे उन्हें गंभीर चोट लगी। शोर सुनकर समाधान की पत्नी और अन्य लोग चिल्लाने लगे, जिसके बाद पवन बर्डे और दशरथ जगताप मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराया। जाते-जाते आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी और घटनास्थल से फरार हो गए। इसके बाद पवन बर्डे ने घायल समाधान को मोटरसाइकिल से नेकनूर पुलिस स्टेशन पहुंचाया, जहां से उन्हें इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३३४ वा | सोमवार ७ जुलै २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बिहार: अब बिना दस्तावेज भी जमा कर सकेंगे गिनती फार्म, चुनाव आयोग ने दी बड़ी राहत

पटना, संवाददाता ६ जुलाई २०२५

बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के लिए विशेष तीव्र पुनरीक्षण अभियान (SIR) चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक ९४ प्रतिशत फार्म बांटे जा चुके हैं, लेकिन मतदाताओं को फार्म भरने और दस्तावेज़ उपलब्ध कराने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

चहुंओर बढ़ते दबाव और जनविरोध को देखते हुए चुनाव आयोग ने बिहार के मतदाताओं को बड़ी राहत दी है। आयोग ने घोषणा की है कि अब मतदाता बिना किसी दस्तावेज के भी गिनती फार्म (डखठ फॉर्म) जमा कर सकते हैं। स्थानीय चुनाव पंजीकरण अधिकारी (एठज) अब स्थानीय स्तर पर जांच या अन्य साक्ष्यों के आधार पर निर्णय ले सकेंगे।

बिना फोटो के भी फार्म स्वीकार

अगर किसी मतदाता के पास नया या अद्यतन फोटो नहीं है, तो वह बिना फोटो के भी फार्म भरकर जमा कर सकता है। हालांकि, जिन लोगों का नाम वर्ष २००३ की मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें जन्मतिथि और जन्मस्थान से संबंधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे।

बिना दस्तावेजों के जमा किए गए गिनती फार्म भी मतदाता सूची के प्रारूप में शामिल किए जाएंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि २६ जुलाई २०२५ तक मतदाता अपने फार्म इङज (बूथ स्तर अधिकारी) को ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से जमा कर सकते हैं। इसके बाद ही उनका नाम मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल में शामिल किया जाएगा।

७.९६ करोड़ में से १ करोड़ फार्म वापस मिले

बिहार में चल रही इस डखठ अभियान में व्यापक भागीदारी देखी जा रही है। अब तक राज्य के ९४% पंजीकृत मतदाताओं को गिनती फार्म वितरित किए जा चुके हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, इनमें से अब तक १.०४ करोड़ यानी १३.१९ प्रतिशत फार्म भरे या सत्यापित होकर वापस मिल चुके हैं।

राज्य में कुल ७.९६ करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। २४ जून २०२५ तक इन में से ७.८९ करोड़ मतदाता सक्रिय थे। आयोग के अनुसार, शनिवार शाम ६ बजे तक कुल १,०४,१६,५४५ गिनती फार्म जमा किए जा चुके हैं।

बीएलए भी अभियान में सक्रिय

राज्य में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किए गए कुल १.५५ लाख बूथ स्तर एजेंट्स (इङ-ी) भी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक इङ- प्रतिदिन अधिकतम ५० सत्यापित फार्म ही जमा कर सकता है।

यह कदम उन लाखों मतदाताओं के लिए राहत लेकर आया है जो किसी न किसी कारण से दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पा रहे थे। अब उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का एक और अवसर मिल गया है, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी।

हम अपनी जानों का नज़राना पेश करेंगे मगर वक़्फ क़ानून मंज़ूर नहीं करेंगे-मौलाना उमरैन रहमानी

हुसैन का पैग़ाम है शहीद होजाना मगर ज़ुल्म को बरदाश्त मत करना: मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी

जलगांव (अकिल ख़ान ब्यावली) तूफानी बारिश,बिजलियों की घन गरज भी लोगों को भगा नही पाई

वक़्फ़ काले क़ानून को हम किसी सूरत क़ुबूल नहीं करेंगे, क्योंकि यह हमारे संविधान और हमारे मज़हब के भी खिलाफ है, मोदी सरकार की नापाक नज़रें मुसलमानों की लाखों एकर ज़मीन पर टिकी है जो अरबों खरबों रूपये की है, वक़्फ़ को लेकर ये गलत प्रोपेगंडा करके हिन्दू मुस्लिम को आपस में लड़ाना चाहते हैं और अंग्रेज़ो की तरह लड़ाओ और राज करो की नापाक नीच पॉलिसी पर अमल कर रहे हैं, सरकार ने अलग अलग अंदाज़ में वक़्फ़ को लूटने बेचने के प्लान बनाए हैं जो हम किसी सूरत कामयाब नहीं होने देंगे, और हमें ख़ुशी है कि वक़्फ़ काले क़ानून के खिलाफ हमारे साथ बड़ी तादाद में हिन्दू भाई खड़े हैं, पार्लियामेंट और राज्य सभा में २०५ से ज़्यादा हिंदू पार्लियामेंट मेंबर्स ने सरकार के खिलाफ ज़ोरदार आवाज़ उठाई और इस काले क़ानून का कड़ा विरोध किया। हम भी पुर अमन शांतता पूर्ण अंदाज़ में वक़्फ़ काले क़ानून के खिलाफ लड़ेंगे और जीतेंगे इंशा अल्लाह, अभी स्टेज बता रहा है कि क्रिस्चन हिन्दू पंजाबी मराठा इस देश का सेक्युलर हिन्दू समाज हमारे साथ और सरकार के खिलाफ खड़ा है, और सरकार जबतक ये काला क़ानून वापस नहीं लेती तबतक

हमारा आन्दोलन चलता रहेगा, ऐसी बहुत ही अहम बातें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सेक्रेटरी हज़रत मौलाना उमरैन रहमानी साहब ने जलगांव के ईदगाह मैदान में हज़ारों हिन्दू मुस्लिम भाइयों के सामने पेश किया। हज़ारों की भीड़, सरों का समुंदर ईदगाह मैदान में जमा था, हवा आंधी तूफान और मौसलधार बारिश भी लोगों को रोक नहीं पाई, मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी और अब्दुल करीम सालार की आवाज़ पर वक़्फ़ काले क़ानून के खिलाफ पूरा ज़िला जमा होगया, मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी की शोला बयान जज़्बाती तकरीर ने लोगों के हौसलों को और बढ़ा दिया, मुफ्ती हारून नदवी ने कहा कि बड़े बड़े फिरऔन आए और चले गए ये भी आया चले जाएगा, जो ज़ुल्म करेगा खतम होंगा ये कुदरत का क़ानून है, हम मोदी सरकार की नापाक हरकतों को कामयाब नहीं होने देंगे, हम हिन्दू मुस्लिम एकता सदभावना का माहौल बना कर अपने हक़ की लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे इंशा अल्लाह, इस मौके पर चर्च के फादर और विजयु महाजन की दबंग स्पीच ने माहौल बना दिया। महाजन ने सरकार की अंग्रेज़ो वाली लड़ाओ और राज करो की नापाक पॉलिसी का जमकर विरोध किया और खुल कर कहा कि वक़्फ़ बोर्ड में हमारे हिन्दू की क्या जरूरत है? ये सिर्फ सरकार की लड़ाने वाली और वक़्फ़ की ज़मीनों को हड़पने की कोशिश है, लेकिन हम हिन्दू और हमारी पार्टी कांग्रेस भी ज़ुल्म के खिलाफ मुस्लिम भाइयों के साथ खड़ी है, अब्दुल करीम सालार ने अपने मुख्तसर बयान में लोगों के हौसलों को बढ़ाते हुए हज़ारों की संख्या में पहुंचने पर शुक्रिया अदा किया और वक़्फ़ काले क़ानून की बुराइयों और मोदी सरकार की नापाक हरकतों को खुल कर ज़िक्र किया, इस मौके पर जमात ए इस्लामी के सुहैल अमीर, अहले सुन्नत जमात के सैयद अयाज़ अली ऐसे ही जनाब एजाज़ मलिक ने भी मुख्तसर बयान दिया, ये इजलास जलगांव वक़्फ़ को ऑर्डिनेशन कमेटी जिसके अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी और कोऑर्डिनेटर अबदुल करीम सालार और उनकी पूरी टीम की मेहनतों और कोशिश का नतीजा था, जलगांव की ये कमेटी वक़्फ़ के काले क़ानून के खिलाफ मुसलसल ४ महीनों से हर गांव हर शहर जाकर लोगों को समझाने और जागृत करने का काम कर रही है, समाज के हर वर्ग में मीटिंग्स और कार्यक्रम लेकर लोगों को मैदान में ला रही है, रात का ये हज़ारों लोगों का जमा होना इस टीम वर्क की कामयाब कोशिशों का नतीजा था । सरकार को खुला चैलेंज कर जलगांव जिले के हिंदू मुस्लिम समाज ने ऐलान किया कि ये नापाक काला क़ानून हमें मंज़ूर नहीं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी की दुआ पर ये जलसा खतम हुआ.

पूरे ज़िले(भुसावल, वरणगांव, बोदवड़, मुक्तयिनगर, रावेर, यावल, चिनावल, सावदा, फ़ैज़पुर, पाल, खानापुर, मारुल, भालोद, पाचोरा, भड़गांव, पहुर, शेन्दुरनी, और छोटे छोटे और दूर दूर गांव से लोग ट्रक टूवीलर और कारो के काफिले लेकर आए, खुशी के आंसू के साथ मुफ्ती हारून नदवी ने सबका शुक्रिया अदा किया, लोगों ने हाथ उठाकर वचन दिया कि सरकार के ज़ुल्म और वक़्फ़ काले क़ानून के खिलाफ आप जब जब बुलाएंगे पूरा समाज ऐसे ही हाज़िर रहेगा.

मतदाता सूची में गड़बड़ी के खिलाफ पृथ्वीराज चव्हाण की अध्यक्षता में कांग्रेस की समिति गठित

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में विभिन्न प्रकार की गड़बड़ियों के जरिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा जीत हासिल की गई-यह अब साफ हो चुका है। चुनाव आयोग को साथ में लेकर भाजपा ने चोरी के रास्ते से सत्ता पाई है। लेकिन आगे इस तरह की घटनाएं न हों, और इन्हें कैसे रोका जाए, इस पर उपाय सुझाने के लिए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने एक समिति का गठन किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की अध्यक्षता में यह ७ सदस्यीय समिति बनाई गई है। इस समिति में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव प्रफुल्ल गुडदे पाटिल, पूर्व मंत्री अशोक राव पाटिल, प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा, धनंजय शिरीष चौधरी, और परिक्षित वीरेंद्र जगताप सदस्य के रूप में शामिल हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अभय छाजेड़ को समन्वयक नियुक्त किया गया है।

मतदाता सूची में हो रही गड़बड़ियों के संबंध में कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग से औपचारिक शिकायत भी दर्ज की है, लेकिन आयोग की ओर से अब तक कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा चुनाव जीतने के लिए लगातार अनैतिक तरीके अपना रही है, और मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर घोटाले किए जा रहे हैं। इन सभी गतिविधियों को रोकने के लिए यह समिति अध्ययन कर एक विस्तृत रिपोर्ट महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस को सौंपेगी।

सैयद मुजाहिद, सैयद लईक और क़ाज़ी मुजीब के सेवाओं के सम्मान में विदाई समारोह

बीड़ (संवाददाता)

लोक निर्माण विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सैयद रफ़ीउद्दीन मुजाहिद, नगरपालिका विभाग के ट्रेसर सैयद लईक और नेशनल स्कूल के शिक्षक क़ाज़ी मुजीबुर्रहमान हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं। इस अवसर पर अब्दुलबारी क़ादरी के निवास पर एक भव्य विदाई समारोह और रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें तीनों अधिकारियों को दिल से श्रद्धांजलि और शुभकामनाएं दी गईं।

इस कार्यक्रम में सैयद शफ़ीक़ हाशमी, शम्सुर्रहमान फारूक़ी, मजहर क़ादरी, नासिर ख़ान, सैयद मजहर अली, हामिद देशमुख, हादी क़ादरी, सिद्दीकु ज़मां, मोहसिन पटेल, अब्दुस्समद सेठ, हुमायूं सेठ, शफ़ीक़ अलमास, ज़िया क़ादरी, अब्दुर्रहीम सर, सआदी क़ादरी, रज़ा उल्लाह पटेल, ग़ाज़ी क़ादरी और क़ाज़ी मखदूम आदि उपस्थित थे।

सभी उपस्थित लोगों ने तीनों सेवानिवृत्त अधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ऐतिहासिक कारंजा टॉवर पर पहली बार लगा नामपट्ट

प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई १२ आवश्यक कार्यों की सूची

बीड (प्रतिनिधि) :

बीड शहर की ऐतिहासिक पहचान माने जाने वाले कारंजा टॉवर पर पहली बार नामपट्ट (नामफलक) लगाया गया है। इस ऐतिहासिक धरोहर के संपूर्ण नवीनीकरण के लिए रमेशराव गंगाधरे और एस.एम. यूसुफ़ ने जिलाधिकारी, मुख्याधिकारी और तहसीलदार को एक निवेदन सौंपते हुए १२ आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने की मांग की है।

निवेदन में कहा गया है कि बीड नगर परिषद और जिला प्रशासन की उपेक्षा के कारण कारंजा टॉवर की स्थिति बेहद जर्जर हो गई है। इसके जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए निम्नलिखित कार्य युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए:

१. कारंजा टॉवर का टूटा हुआ दरवाज़ा बदलकर नया दरवाज़ा लगाना।

२. बंद पड़ी घड़ियों को दोबारा चालू करना।

३. इमारत के भीतर और बाहर रंगरोगन करना।

४. इमारत के चारों ओर हायमास्ट लाइट्स लगाना।

५. टॉवर से चिपकी हुई पेड़ों की शाखाओं की छंटाई करना।

६. लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को शुरू करना।

७. कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना और कठोर कार्रवाई करना।

८. पश्चिम और उत्तर दिशा की सड़क का कंक्रीटीकरण करना।

९. कंक्रीटीकरण के बाद दक्षिण दिशा की तरह पश्चिम और उत्तर में सीमेंट की बेंच लगाना।

१०. उत्तर दिशा में अतिक्रमण कर खड़े किए गए ठेले हटाना।

११. दोबारा अतिक्रमण होने पर दंडात्मक कार्रवाई करना।

१२. बीड नगर परिषद द्वारा टॉवर की सुरक्षा और देखरेख के लिए एक-एक कर्मचारी की २४ घंटे की नियुक्ति करना।

यह निवेदन तहसीलदार चंद्रकांत शेलके, जिलाधिकारी कार्यालय के नगरपालिका प्रशासन विभाग के अधिकारी संभाजी वाघमारे और बीड नगर परिषद के उपमुख्याधिकारी सम्राट कदम को सौंपा गया है।

नागरिकों ने प्रशासन का इंतज़ार किए बिना स्वयं आगे आकर ५ कार्य पहले ही पूरे कर लिए हैं:

१० सीमेंट की बेंच लगाई गईं।

२ इलेक्ट्रिक मोटरें स्थापित की गईं।

रंग-बिरंगी लाइट्स लगाकर शुरू की गईं।

पानी के फव्वारे चालू किए गए।

और इतिहास में पहली बार 'कारंजा टॉवर' नाम का नामफलक लगाया गया।

अब प्रशासनिक अधिकारियों को केवल बाकी बचे १२ कार्यों को ही पूरा करना है। यदि संबंधित अधिकारी इस ओर गंभीरता से ध्यान दें, तो यह ऐतिहासिक धरोहर संरक्षित और सुंदर हो सकती है। अन्यथा, इस ऐतिहासिक इमारत की दुर्दशा दूर करने के लिए हमें लोकतांत्रिक मार्ग से आंदोलन करना पड़ेगा, ऐसा चेतावनी भरा संदेश भी वरिष्ठ समाजसेवी और उद्यमी रमेशराव गंगाधरे एवं स्वतंत्र पत्रकार एस.एम. यूसुफ़ ने अपने निवेदन में दिया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

खा.सोनवणे के जन्मदिन पर खुर्शीद आलमने किया रक्तदान

बार्शी नाका रेलवे स्टेशन कृती समितिद्वारा विभिन्न उपक्रमों का आयोजन

बीड (प्रतिनिधि):

बीड के सांसद बजरंग बप्पा सोनवणे के जन्मदिन के अवसर पर आज बार्शीनाका रेलवे स्टेशन कृती समिति की ओर से खुर्शीद आलम ने रक्तदान किया।

बता दें कि बीड शहर के आम नागरिकों की सुविधा के लिए जो रेलवे स्टेशन स्वीकृत हुआ था, उसे कुछ राजनैतिक व्यक्तियों ने अन्य स्थान पर स्थानांतरित करवा लिया था। इस अन्याय के खिलाफ बीड शहर के नागरिकों ने 'बार्शीनाका रेलवे स्टेशन बचाओ कृती समिति' का गठन किया और सांसद सोनवणे से भेंट कर ज्ञापन सौंपा था। सांसद सोनवणे ने इस मुद्दे पर विशेष ध्यान देते हुए बार्शीनाका रेलवे स्टेशन की मंजूरी दिलवाई।

इसी उपलक्ष्य में आज जिले के लोकप्रिय सांसद बजरंग बप्पा सोनवणे के जन्मदिन पर विभिन्न सामाजिक उपक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन मनाया। इसी कड़ी में आज जिला अस्पताल, बीड में बार्शीनाका बचाओ कृती समिति के कार्याध्यक्ष, बीड नगरपालिका के पूर्व सभापति तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शहर अध्यक्ष श्री खुर्शीद आलम ने रक्तदान किया।

रक्तदान के पश्चात खुर्शीद आलम ने कहा कि समाजहित के लिए विभिन्न उपक्रम चलाए जाएंगे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक खाजा पाशा साहब, पठान जफर सर, हकीम मन्यार सर, शेख अकील भाई, नईम भाई, फैरोज भाई, शितोळे साहब, आमेर भाई इनामदार, शहंशाह भाई, मुमताज भाई, राजू शिंदे, शमशीर भाई, सोहेल भाई, शहबाज भाई, जावेद भाई सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सावकारी के अत्याचार से तंग आकर राम फटाले कि आत्महत्या

बीड, ६ जुलाई (प्रतिनिधि):

बीते कई महीनों से लगातार अपराध घटनाओं के कारण चर्चा में रहे बीड ज़िले से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सावकारी (सूदखोरी) के दबाव से तंग आकर बीड में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है।

आत्महत्या करने वाले व्यक्ति का नाम राम असाराम फटाले (उम्र ४२ वर्ष) बताया गया है। आत्महत्या से पहले उसने चार पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा था। इस सुसाइड नोट में भारतीय जनता पार्टी भटके विमुक्त आघाड़ी के डॉ. लक्ष्मण जाधव तथा उनकी पत्नी का भी नाम उल्लेखित है।

इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पेठ बीड पुलिस थाने में इस मामले में कुल सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि बीड जिले में बीते कई महीनों से वित्तीय संस्थाओं, सूदखोरों और उनके जाल में फंसाकर की जा रही ठगी की घटनाएं चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले ही एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की शादी के लिए पैसा न मिलने पर वित्तीय संस्था के गेट पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वह घटना अभी ताज़ा ही थी कि अब सूदखोरी के जुल्म से तंग आकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली, जिससे जिले में हड़कंप मच गया है।

रास्ते के काम को लेकर एक पर जानलेवा हमला

बीड, ६ जुलाई (प्रतिनिधि):

लिंबागणेश गांव के घोलप वस्ती इलाके में खेत के रास्ते के निर्माण के दौरान एक रिटायर्ड आर्मी जवान पर उसके ही भाई और भतीजे ने मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। यह घटना २५ जून को सुबह लगभग १० बजे की है। घायल व्यक्ति का नाम अंकुश तुकाराम घोलप (उम्र ४५ वर्ष) है, जिनका वर्तमान में बीड के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सेवानिवृत्त फौजी अंकुश घोलप खेत में रास्ता बनाने के लिए दादासाहेब बागल की जेसीबी मशीन किराए पर लेकर अपने खेत में गए थे। उसी समय उनके भाई सखाराम घोलप भी खेत में मौजूद थे। रास्ते के काम को लेकर दोनों भाइयों में विवाद हो गया, जिसके बाद सखाराम ने लोहे की कुल्हाड़ी से अंकुश के सिर पर हमला कर दिया।

इसके बाद भतीजे ऋषिकेश घोलप ने लोहे की रॉड से अंकुश के नाक और मुंह पर हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही उनकी मां काशीबाई और पत्नी वर्षा घटनास्थल पर पहुंचीं। पत्नी ने उन्हें तुरंत निजी वाहन से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

इस मामले में घायल अंकुश घोलप की शिकायत के आधार पर सखाराम घोलप और ऋषिकेश घोलप के खिलाफ नेकनूर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्रधर्म... कभी रुका नहीं, यह परंपरा कभी टूटी नहीं!

मुख्यमंत्री का 'महाराष्ट्रधर्म' विशेष पॉडकास्ट प्रारंभ

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

महाराष्ट्र का इतिहास गौरवशाली है। हम ज्ञानेश्वर, शिवाजी महाराज, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की संतान भले न हों, लेकिन उनके विचारों की विरासत के वाहक जरूर हैं। इन महान विभूतियों ने अपने ज्ञान, त्याग और साहस से इस राज्य को आकार दिया। इसे संजोना, आगे ले जाना और विकसित करना हमारा कर्तव्य है।

महाराष्ट्रधर्म केवल स्मरण या मनोरंजन नहीं, बल्कि यह एक नैतिक पथदर्शक है। हमें समझना होगा कि हम कौन हैं और हमें क्या बनाना है–यही महाराष्ट्रधर्म है।

इसी विचार के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार से 'महाराष्ट्रधर्म' नामक विशेष पॉडकास्ट श्रृंखला की शुरुआत की है।

इस श्रृंखला की पहली कड़ी में मुख्यमंत्री की विस्तृत बातचीत प्रसिद्ध चिंतक, संत साहित्य के अध्येता, लेखक और जगद्गुरु तुकाराम महाराज के वंशज डॉ. सदानंद मोरे ने ली है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने पहले कार्यकाल (२०१४–२०१९) में मी मुख्यमंत्री बोलतोय नामक टीवी शो के माध्यम से जनता से संवाद किया था। अब वे नए डिजिटल माध्यम पॉडकास्ट के जरिए जनसंवाद की शुरुआत कर रहे हैं। पॉडकास्ट की पहली कड़ी का विषय था: महाराष्ट्रधर्म: नींव और निर्माण, जिसे आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर प्रस्तुत किया गया।

इस पॉडकास्ट में मुख्यमंत्री ने रामायण और महाभारत से लेकर, दुखों से मुक्ति का मार्ग दिखाने वाले गौतम बुद्ध, और संत परंपरा से लेकर महाराष्ट्र की आध्यात्मिक नींव और विकास तक पर गंभीर विचार प्रस्तुत किए। यह पॉडकास्ट मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पहले ही पॉडकास्ट में शामिल सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि आगे आने वाले एपिसोड्स में महाराष्ट्र के इतिहास, संस्कृति, साहित्य और इसकी वीरता, संत परंपरा और दिव्यता की गहराई से पड़ताल की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा,

महाराष्ट्रधर्म कोई धर्म नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत मूल्य-संहिता है। यह हमें सिखाती है विवेक से सोचें, सेवा-भाव से कार्य करें और शौर्य से खड़े रहें। ज्ञानेश्वर की ओवियों से लेकर शिवाजी महाराज की तलवार, फुले का साहस और बाबासाहेब आंबेडकर की दूरदृष्टि–इन सभी से जुड़ी यह परंपरा कभी नहीं टूटी, यह हमेशा आगे बढ़ती रही है।

इस गहरी और अर्थपूर्ण प्रस्तुति से पॉडकास्ट की शुरुआत ज्ञानवर्धक और रोचक बन गई है।

पंढरपुर की वारी: एक चलती-फिरती संस्कृति तेरहवीं शताब्दी में चक्रधर स्वामी द्वारा स्थापित महानुभव पंथ ने जात-पात को नकारा और सहज-सरल भाषा में आध्यात्मिक शिक्षा दी। इसके बाद नम्रता और श्रद्धा पर आधारित वारी की परंपरा शुरू हुई

जब परिवहन मंत्री ही गैर-मराठी पदाधिकारियों को सिखा रहे हैं मराठी!

मीराभाईंदर में शुरू हुआ 'चलिए मराठी सिखाएं' अभियान

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

इन दिनों मीराभाईंदर शहर में मराठी और गैर-मराठी नागरिकों के बीच हुई मारपीट और मोर्चों के चलते वहां का माहौल राज्यभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। हिंदी-मराठी विवाद पर समाधान निकालने के लिए स्थानीय विधायक और राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पहल करते हुए एक खास अभियान की शुरुआत की है।

सरनाईक अब अपने ही दल के गैर-मराठी पदाधिकारियों और पूर्व नगरसेवकों को स्वयं मराठी भाषा की शिक्षा दे रहे हैं। आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर उन्होंने रविवार से 'चलिए मराठी सिखाएं' अभियान शुरू किया है।

उन्होंने कहा,

मीराभाईंदर में किसी प्रकार का भाषायी विवाद नहीं होना चाहिए। हम यहां विकास के लिए आए हैं, विघटन के लिए नहीं।

सरनाईक ने घोषणा की कि शिवसेना की हर शाखा में बाराखड़ी (मराठी वर्णमाला) की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी और मराठी शिक्षा की निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी पर दबाव डालकर नहीं, बल्कि प्रेमपूर्वक मराठी सिखाने के उद्देश्य से चलाया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा:

मैं मीराभाईंदर से चार बार मराठी विधायक के रूप में निर्वाचित हुआ हूं। यहां सभी भाषाओं के नागरिकों ने मुझे वोट दिया है, इसलिए मेरे लिए हर भाषा का सम्मान जरूरी है। लेकिन महाराष्ट्र में रहना है तो मराठी आना चाहिए।

सरनाईक ने यह भी बताया कि शिवसेना के अधिकांश नगरसेवक गैर-मराठी हैं और किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहते। इसलिए

शिवसेना इस मराठी स्नेह अभियान के माध्यम से भाषायी सौहार्द्र का पुल बनाना चाहती है। उन्होंने अपील की कि गैर-मराठी भाई शिवसेना शाखाओं में आकर प्रेमपूर्वक मराठी सीखें,

आइए, हम भाषा का पुल बनाएं-दीवारें नहीं! 'सत्ता के लिए एक हुए ठाकरे बंधु'

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ठाकरे बंधुओं के विजयी मेळावे (सम्मेलन) में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी का जवाब पत्र लिखकर दिया है।

अपने पत्र में सरनाईक ने कहा कि ठाकरे बंधु मराठी हितों के लिए नहीं, बल्कि मुंबई महानगरपालिका में सत्ता के लिए एकजुट हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जो राज ठाकरे पहले शिवसेना से मराठी मुद्दे पर अलग हो गए थे, वे अब मराठी के नाम पर क्यों एक हो रहे हैं?

सरनाईक ने यह भी कहा कि असली शिवसेना प्रमुख के विचारों को एकनाथ शिंदे ही आगे बढ़ा रहे हैं।

मतदाता सूची में गड़बड़ियों को रोकने के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति

पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की अध्यक्षता में समिति देगी समाधान के सुझाव

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई । ६ जुलाई २०२५

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता सूची में कई प्रकार की गड़बड़ियों के जरिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा कथित रूप से जीत हासिल करने के मामले सामने आए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, बीजेपी ने चुनाव आयोग को विश्वास में लेकर सत्ता तक पहुंचने के लिए अनुचित रास्ता अपनाया।

आगामी चुनावों में इस तरह की गड़बड़ियों को रोके जाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है, जो इस पर अध्ययन कर संभावित समाधान सुझाएगी।

यह समिति पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की अध्यक्षता में गठित की गई है। समिति में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रफुल्ल गुडदे पाटील, पूर्व मंत्री अशोकराव पाटील, प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा, विधानसभा उम्मीदवार धनंजय शिरीष चौधरी और परिक्षित वीरेंद्र जगताप को सदस्य बनाया गया है, जबकि प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अभय छाजेड़ को समिति का समन्वयक नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूचियों में हुई गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग में विधिवत शिकायत भी दर्ज करवाई है, लेकिन अब तक आयोग की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए गैरकानूनी हथकंडों का उपयोग कर रही है और मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की जा रही है।

इस पृष्ठभूमि में गठित यह समिति पूरे मामले का विस्तृत अध्ययन कर प्रदेश कांग्रेस को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, ताकि भविष्य में इस प्रकार की गड़बड़ियों को रोका जा सके और चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जा सके।

राज्य के प्राध्यापकों को M.Phil की योग्यता की तिथि से NET/SET से छूट देने को मंजूरी - प्रो. अमर शेख

(प्रतिनिधि)

इस संबंध में प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार, राज्य के वरिष्ठ महाविद्यालयों में कार्यरत M.Phil धारक अनेक प्राध्यापकों की पिछले २५ वर्षों से लंबित मांग अब पूरी हो गई है। लंबे समय से सेवा में होने के बावजूद अनेक लाभों से वंचित रहे १,४२१ प्राध्यापकों को अब न्याय मिला है। यह जानकारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) पदवीधर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोहम्मद अली जौहर महिला शिक्षा महाविद्यालय के सहयोगी प्राध्यापक प्रो. अमर शेख ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

बताया गया है कि १९९३ से पहले M.Phil की योग्यता को वैध माना जाता था। इसके बाद १४ जून २००६ से ११ जुलाई २००९ तक सीधे नियुक्त प्राध्यापकों के लिए च.झहळश्र की योग्यता मान्य रही। मगर १९९४ से २००९ के बीच च.झहळश्र की डिग्री प्राप्त कर सेवा में रहे कई प्राध्यापकों को इस योग्यता का लाभ नहीं मिला था। यह मुद्दा करीब २५ वर्षों से लंबित था।

इस मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (णत्रछ) और महाराष्ट्र के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल के बीच कई बार चर्चा हुई। इन बैठकों में राज्य के प्राध्यापकों की स्थिति, तकनीकी अड़चनें और उनके साथ हो रहे अन्याय पर गंभीर विचार हुआ। कुछ प्राध्यापकों को पूर्व में मिले लाभ का हवाला देते हुए समानता के आधार पर सभी को एकमुश्त छूट देने की मांग राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय मंत्री से की गई थी।

इस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए णत्रछ ने २ जुलाई २०२५ को राज्य के १,४२१ प्राध्यापकों को उनकी च.झहळश्र की योग्यता की तिथि से NET/SET परीक्षा से छूट देने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह जानकारी भी प्रो. अमर शेख द्वारा दी गई है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com